आयुष मंत्रालय भारत सरकार

क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उतर भारत-1

जोगिन्द्रनगर

RCFC NR-1
NATIONAL MEDICINAL PLANTS BOARD
Plants For Health & Prosperity
RIISM JOGINDER NAGAR

क्षेत्रीय निदेशक क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उतर भारत-1,
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान,
जोगिन्द्रनगर-175015 (मंडी) हि०प्र०

क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत-1 का लक्ष्य

- जड़ी बूटियों के विक्रेताओं कर्ताओं के बीच करार हो
- उत्पादकों को गुणवत्ता पूर्वक प्लांटिंग मटेरियल की सुविधा मिले
- तकनीक के प्रयोग से जड़ी बूटियों के कारोबार में मूल्यवर्धन करना
- गुणवत्ता पूर्वक प्लांटिंग मटेरियल के लिए टिशु कल्चर लैब उपलब्ध करवाना
- जड़ी बूटियों के रखरखाव के लिए स्टोर हाउस की व्यवस्था करना
- जड़ी बूटियों के विपणन के लिए आउटलेट स्थापित करना
- जड़ी-बूटियों की खेती को बढ़ावा और वैज्ञानिक दोहन को बल मिले
- जड़ी-बूटियों की खेती से रोजगार सृजन और ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत करना

क्षेत्रीय निदेशक क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत-1,
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान,
जोगिन्द्रनगर-175015, मोबाइल 70180 01026 (मंडी) हि०प्र०

क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत-1 का लक्ष्य

औषधीय पौधों के क्षेत्र से संबंधित मामलों को समन्वित करने और इस संबंध में योजनाओं को तैयार कार्यन्वित करने के लिए नंबर 2000 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की स्थापना की गई थी। बोर्ड राष्ट्रीय आयुष मिशन के औषधीय पौधों के संरक्षण विकास और सतत प्रबंधन के लिए सेंटर सेक्टर योजना और औषधीय पौधों के विकास योजनाओं का कार्यावन्य कर रहा है।

औषधीय पौधों के क्षेत्र में गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने और छह विभिन्न क्षेत्रों पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और उत्तर पूर्व में क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्रों के रूप में कार्य करने के लिए प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थान अन्य संगठनों के विश्वविद्यालयों को प्रस्ताव भेजने को कहा गया था। आयुर्वेद विभाग हिमाचल प्रदेश के जोगिंदर नगर स्थित आयुर्वेद रिसर्च इंस्टीट्यूट को औषधीय पौधे के क्षेत्र से संबंधित कार्य के अनुभव और योग्यता के कारण उत्तर भारतीय राज्यों के लिए क्षेत्रीय एवं सुविधा केंद्र (आरसीएफसी) की स्थापना के लिए चुना गया है।

Lilium polyphyllum

Berberis aristata

Gentiana kurroo

इस आरसीएफसी के तहत हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़ और दिल्ली जैसे राज्य केंद्र शासित प्रदेश शामिल है। यह क्षेत्रीय एवं सुविधा केंद्र उत्तरी भारत में औषधीय पौधों के उत्पादकों, किसानों, शोधकर्ताओं, व्यापारियों और अन्य हितधारकों के लिए एक स्टाफ शॉप के रूप में कार्य करेगा और राज्य औषधीय पौधे बोर्ड (एसएमपीबी), औषधि राज्य क्रिया-वन्य एजेंसी के साथ निकट समन्वय के कार्य करेगा। ये क्षेत्रीय सह सुविधाओं, औषधीय पौधों की खेती के संरक्षण, विकास, विपणन, सहयोगियों व औषधीय पौधों के उत्पादकों के लिए एक सेवा खिड़की प्रदान करेगा और प्रौद्योगिक प्रसार के संदर्भ में हितधारकों का समर्थन प्रदान करेगा।

क्षेत्रीय निदेशक क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत-1,
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान,
जोगिन्द्रनगर-175015, मोबाइल 70180 01026 (मंडी) हि०प्र०

क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत-1 के प्रस्तिवित कार्य

यह केंद्र संबंधित क्षेत्र में औषधीय पौधों से संबंधित सभी मामलों समाधान के लिए एक स्टॉप शॉप के रूप में कार्य कर सकता है और बीवी को अपने जनादेश को पूरा करने और एनएमटीवी की सुविधा केंद्र के रूप में कार्य के लिए सहायता प्रदान करेगा। यह संबंधित क्षेत्र से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों का भी आयोजन करेगा।

स्थानीय स्टेकहोल्डर्स प्रतिष्ठानों के संगठनों के लिए साथ मिलकर प्राथमिकता संस्थान, ग्रेडिंग, मार्केटिंग सुविधा आदि की स्थापना में शामिल होने के लिए सुविधा करेगा।

उत्पादकों, कलेक्टरों सहित संबंधित हितधारको के बीच प्रबंधकीय और तकनीकी कौशल विकसित करना और प्रशिक्षण, कार्य-शालाओं, सेमिनार आदि के आयोजनों से सामाजिक सहायता प्रदान करना।

औषधीय पौधों की कृषि प्रौद्योगिकी का विकास, विशेष रूप से लुप्त प्राय और उच्च मांग वाले प्रजातियों, जैविक खेती और पहले से विकसित कृषि तकनीकों के अनुकूल फील्ड प्रशिक्षण पर ध्यान देने के साथ।

क्षेत्र विशिष्ट गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री का विकास और इसके साथ संबंधित मुद्दों को वैज्ञानिक रूप से प्रचारित करना।

औषधीय पौधों आदि की बिक्री सुविधा मांग आपूर्ति मुद्दों आदि को हल करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य की स्थापना के द्वारा क्षेत्र में विपणन सुविधा के विकास के साथ-साथ मांग, माला बेचने और प्रमुख प्रजातियों की कीमत पर डेटाबेस विकसित करना।

औषधीय पौधों पर संरक्षण, टिकाऊ खेती, प्रौद्योगिक उन्नयन, प्रशिक्षण और अनुसंधान पर जानकारी देने और उन गतिविधियों में वन विभाग और राज्य के अन्य संबंधित विभागों को शामिल करने के लिए प्रयास करना।

जंगली प्रजातियों का स्थाननुपात जो क्षेत्र में मांग और स्थानिक है और इसके कि किस्मो के विकास।

Arnebia euchroma

Juriniea dolomiaea

Hyoscyamus niger

क्षेत्रीय निदेशक क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उत्तर भारत-1,
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान,
जोगिन्द्रनगर-175015, मोबाइल 70180 01026 (मंडी) हि०प्र०

संबंधित राज्यों में अच्छी कृषि पद्धतियां (जीएपी), गुड फील्ड कलेक्शन प्रैक्टिस (जीएफसीपी) इत्यादि पहलो को आगे बढ़ाने के लिए और क्षेत्र और प्रसार के विशिष्ट जीएपी और जीपीसीपी विकसित करना।

राज्यों में औषधीय पौधों के विभिन्न हित धारकों को एक साथ लाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने के लिए (एसएमपीबी, मिशन योजना अन्य संस्थाओं, और गैर सरकारी संगठनों, जन संगठनों को औषधीय पौधों के क्षेत्र के विकास में शामिल करना) प्रयास करना।

एनएमपीवी द्वारा पहचाने जाने वाले प्राथमिक क्षेत्रों में परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के लिए क्षेत्र में विभिन्न संगठनों की सहायता करना और क्षेत्र की विशिष्ट मुद्दों की पहचान पर जोर देने के साथ ही इस योजना का व्यापक कवरेज देने के लिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अभिविन्यास सत्र आदि के विकास और कार्य कार्यान्वयन से संबंधित हितधारको की क्षमता विकसित करना।

हितधारकों के समय-समय पर बैठको कार्यशालाऔं परामर्शो का आयोजन करना।

संबंधित राज्यों में विभिन्न संगठनों को एनएमपीबी द्वारा मंजूर की गई परियोजनाओं को समीक्षा और एनएमपीवी द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं के मूल्यांकन और मूल्यांकन का संचालन करना।

राज्यों में औषधीय पौधों के सभी संबंधित क्षेत्रो के डेटाबेस को इकट्ठा और बनाए रखने के लिए और संबंधित क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के डेटाबेस का एकीकरण करना।

औषधीय पौधों के क्षेत्र में शोध निष्कर्षों प्रौद्योगिकियों के प्रसार सहित औषधीय पौधों से संबंधित क्षेत्र की प्रासंगिकता के शोधन अनुसंधान और अन्य मामलों के संबंध में प्रयास करना।

आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) के लिए रणनीति विकसित करने और आईईसी गतिविधियों को लागू करना।

एनएमपीबी द्वारा समर्थित गतिविधियों की सफलता की कहानियों को दस्तावेज और प्रसारित करना।
केंद्र की गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करना।

Aconitum heterophyllum

Podophyllum hexandrum

Colchicum luteum

क्षेत्रीय निदेशक क्षेत्रीय एवं सुगमता केंद्र उतर भारत-1,
राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान,
जोगिन्द्रनगर-175015, मोबाइल 70180 01026 (मंडी) हि०प्र०